

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-848125

बुलेटिन संख्या-४३

दिनांक- शनिवार, ०५ जून, २०२१



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेदशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.0 एवं 23.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 57 प्रतिशत, हवा की औसत गति 16.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.5 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.2 एवं दोपहर में 38.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 7.0 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(05-09 जून, 2021)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 05-09 जून, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। हलाकि इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। इस दौरान एक-दो स्थानों पर गरज वाले बादल बनने के साथ बून्दा-बून्दी या हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12-15 कि०मी० की रफतार से अगले तीन दिनों तक पछिया हवा, उसके बाद पुरवा हवापुरवा हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। 9० जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। 9० से २५ जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोन के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते हैं, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते हैं वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-9 वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम आदि किस्में 9० जून तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिराये। बीज को गिराने से पहले 9.५ ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में २० जून से 9० जुलाई तक बोन के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलोग्राम यूरिया, 9.५ किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 9.३ किलोग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरूप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- भिंडी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में भी नत्रजन का उपरिवेशन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान २ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 9-9० दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता के आक्रमण होने पर केराथेन 9.५ ग्राम प्रति लीटर या २५ कि०ली० सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवत्ता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान-9, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-99 किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति कि० ग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर २० कि० ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।

आज का अधिकतम तापमान: 36.1 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम

आज का न्यूनतम तापमान: 27.4 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी